



कहानी

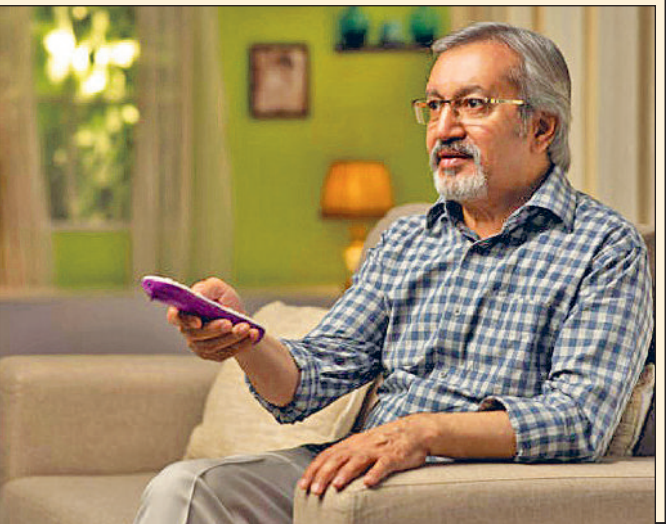
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गृहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशांत दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

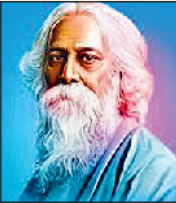


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झेंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पल्लवों को फैलाने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भृपसिंह भारती
	

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झूठ पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहनाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावना रूप है इसका, ये सकेत मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग में उठते, हम झूठ पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
	

अपूर्णता का आकाश

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।
भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।
स्वाभाव फैले थे अगनिनत पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुईं उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से पहले ज्ञानी होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समाप्त होनी वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिवले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक दाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

शक्तियां पर्याप्त हैं। वह किसी को भी प्रवेश दे सकता है, निष्कासित कर सकता है और सबसे बड़ी बात गुप का नाम बदल सकता है। यहां तथ्य गलत हो सकता है, आदमी कभी गलत नहीं होता। बल्कि जितनी बार उसकी खबर झूठी निकलती है, उतनी ही मजबूती से उसका विश्वास पक्का होता जाता है कि सच को ढबाने की कोई बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इस तरह व्हाट्सएप ने मनुष्य को वह दुर्लभ सुविधा दी है जिसमें अज्ञान भी बढ़ता रहता है और आत्मविश्वास भी। दोष केवल व्हाट्सएप का नहीं है। व्हाट्सएप बेचारा वही देता है जिसकी मांग है।

हमें सूचना कम चाहिए, पुष्टि अधिक चाहिए। हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संदेह घटता जाता है। अंततः वह उस ऊंचाई पर पहुंच जाता है, जहां संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिर"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुल्लुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती

है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो

"थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं-

"रुक जाओ बदल जाओ '

"कमरे में गहरी खामोशी थी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया—"आज से न कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा।"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था।

इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

10

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की संकृतियों और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

कुछ हटकर

इंटरनेशिप : यूजी-पीजी छात्रों के लिए बेहतरीन करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनेशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनेशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटरनेशिप क्यों आवश्यक है?
क्योंکه अनुभव प्राप्त होता है ,
व्यक्तित्व एवं संचार कौशल विकसित होते हैं,
रोजगार के

इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकतम माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और चयन पत्र की धैरता जॉवं
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनेशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनेशिप के दौरान समय प्रबंधन
- टीम के साथ कार्य करना
- व्यावसायिक संचार कौशल
- प्रस्तुतीकरण कौशल
- समस्या समाधान क्षमता

कतनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

हरियाणा ओलंपिक संघ अध्यक्ष कैप्टन बेनीवाल ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

4500 पौधे रोपे, गोशाला में बनेगा सघन वन और खेल कॉम्प्लेक्स

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए एनएच-9 बाईपास रोड स्थित श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गोशाला परिसर में 101 त्रिवेणी सहित फलदार और छायादार 4500 पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन मीनू बेनीवाल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने पौधारोपण कर लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी निर्यामित देखभाल करने का आह्वान किया। इस दौरान नीरज आर्य, नवीन मित्तल, अजीत श्योराण, संजय गुप्ता, मनोज गर्ग और मोहित जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकार वार्ता में मीनू बेनीवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गोशाला के विशाल परिसर में पौधारोपण के जरिए सघन वन तैयार करने की



हिसार। पौधारोपण करते मीनू बैनीवाल व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

योजना है, जो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बनेगा। उन्होंने बताया कि गोशाला में खेल कॉम्प्लेक्स और खेल संस्थान विकसित करने की भी योजना है। इसके लिए हरियाणा ओलंपिक संघ और केंद्र की टीम जल्द गोशाला का निरीक्षण करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से विभिन्न प्रजातियों के पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे। मीनू बेनीवाल ने कहा कि गोशाला में वृक्षारोपण के माध्यम से आय के साधन भी

विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि गोशाला और धार्मिक स्थलों पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जे या उन्हें परेशान करने की कोशिश करने वालों को बखशा नहीं जाएगा। इस अवसर पर गोभक्त सत्यप्रकाश राजलीवाला, नरेश सिंघल मंगालीवाला, संजीव बुढ़किया और विनोद गुप्ता सहित अनेक लोग मौजूद रहे। गोशाला पदाधिकारियों ने कैप्टन मीनू बेनीवाल को पटका व प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

हर इंसान को पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए



हिसार। श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला में पौधारोपण करते श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

हिसार। धार्मिक व सामाजिक सरोकारों से जुड़ी श्री रामलीला कमेटी कटला द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश दिया गया। श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला में कटला रामलीला के प्रधान विनोद गुप्ता ने त्रिवेणी रोपकर अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश राजलीवाला, बटमानंद महिपाल, प्रदीप सरावगी व राजेश गोयल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पौधारोपण के उपरांत प्रधान विनोद गोयल ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए हर इंसान को पौधे लगाकर उनकी समुचित देखभाल करनी चाहिए।

शिव सूत्र के माध्यम से ध्यान, साक्षी भाव और आंतरिक जागरूकता का दिया संदेश

शिव को चेतना और ध्यान की गहराई के प्रतीक के रूप में समझना चाहिए

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

शिवरात्रि के उपलक्ष्य में सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में विशेष मॉडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में साधकों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और ध्यान साधना में सहभागिता की। इस दौरान शिव के आध्यात्मिक स्वरूप और सतगुरु ओशो द्वारा प्रतिपादित शिव सूत्र को विस्तार से समझाया गया।

इस दौरान शिव सूत्र के माध्यम से ध्यान, साक्षी भाव और आंतरिक जागरूकता का संदेश दिया गया। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि शिव को चेतना, जागरूकता और ध्यान की गहराई के प्रतीक के रूप में समझना



हिसार। ओशो ध्यान उपवन में रविवार को आयोजित शिव सूत्र मॉडिटेशन सत्र में हिस्सा लेते साधक।

फोटो: हरिभूमि

चाहिए। उन्होंने कहा कि ओशो ने शिव सूत्र पर प्रवचनमाला के माध्यम से ध्यान के मार्ग को प्रशस्त किया है। स्वामी संजय ने कहा कि शिव सूत्र को केवल दार्शनिक चर्चा के रूप में नहीं बल्कि चेतना और ध्यान की आंतरिक यात्रा से जोड़कर देखना चाहिए। ओशो के अनुसार ध्यान का अर्थ केवल आंखें

बंद करके बैठना नहीं है बल्कि ऐसी चैतन्य अवस्था से है जिसमें जागरूकता बनी रहती है और शोर शांत होने लगता है। स्वामी संजय ने बताया कि ओशो के अनुसार शिव सूत्र आत्म-रूपांतरण, परम चेतना और तंत्र का एक क्रांतिकारी मार्ग है, जो मनुष्य को उसके भीतर छिपे परमात्मा से मिलाता है।

जन्मभूमि में पहुंच बलराज जैन ने कीर्तन में जगाई ज्योत



उक्तलाना। जय मां जागरण समिति के संरक्षक बलराज जैन ने अपनी जन्मभूमि उक्तलाना पहुंचकर शिव शक्ति कांडव सेवा समिति द्वारा आयोजित भंडारे के दौरान हुए कीर्तन में ज्योत प्रज्ज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गुरुगाम से विशेष रूप से अपनी जन्मभूमि पहुंचे बलराज जैन ने इस अवसर पर जन्मभूमि के प्रति अपने लगाव और प्रेम को प्रदर्शित किया। बलराज जैन लंबे समय से अपनी जन्मभूमि से जुड़े हुए हैं और यहां होने वाले सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने का प्रयास करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका उक्तलाना के प्रति विशेष लगाव रहा है और वे सामाजिक संस्थाओं को भी हरसंभव सहयोग प्रदान करते हैं। इस अवसर पर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। कीर्तन में मजन गायक शेखर शर्मा ने भगवान भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं संजय चक्रवर्ती सहित अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भगवान भोलेनाथ का रूप धारण कर पहुंचे कांडड़ियों ने भी नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

युवा इनेलो की जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

सहांसी। इनेलो ने नवघोषित हांसी जिले में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला संयोजकों एवं पदाधिकारियों की नियुक्तियां की हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों में हरजीत बेरवाल सोरखी को युवा शाखा का अध्यक्ष, दयानंद एडवोकेट बुडाना को एससी सैल, महावीर सरपंच डाटा को किसान सैल, भरपूर बेरवाल गद्दी को आईटी सैल, जोगेंद्र रिटायर्ड हैड मास्टर बास को बुद्धिजीवी सैल, सुनहरा मास्टर मेहंदा को कर्मचारी सैल, डॉ. रमेश सिसाय को डॉक्टर सैल, आजाद जांगड़ा मुजादरपुर को बीसी सैल, जयनारायण जैना खेड़ी जालब को श्रमिक प्रकोष्ठ



तथा राजेंद्र रिटायर्ड डीएसओ को खेल प्रकोष्ठ का हांसी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ध्रुव जांगड़ा को स्टूडेंट विंग आईएसओ सैल का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनेलो के हांसी जिला कार्यालय का विधिवत उद्घाटन रविवार को इनेलो के हांसी जिला कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं रतन सिंह मसूटपुर,

महावीर सरपंच डाटा, मास्टर प्रताप बड़छप्पर तथा राजबीर सोरखी ने रिबन काटकर जिला कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय उद्घाटन के उपरांत एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। संगठन की और अधिक मजबूती के लिए गांव-गांव पहुंचेगा इनेलो : उमेद लोहान राष्ट्रीय संगठन सचिव उमेद लोहान ने कार्यकर्ताओं से पार्टी

गांव-गांव जाकर करें

कार्यकर्ताओं से संपर्क इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी को जिम्मेदारी के साथ गांव-गांव जाकर कार्यकर्ताओं से संपर्क करना चाहिए और संगठन को मजबूत करने के लिए किरंतर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों एवं कार्यप्रणाली की कमियों गिनाई और कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर झग मुद्दों को मजबूती से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनेलो जनता के हितों और प्रदेश के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगा।

संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं।

‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम का दिखाया लाइव प्रसारण



हिसार। प्रयागराज में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी द्वारा आयोजित ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम का हिसार में लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम का आयोजन युथ कांग्रेस हिसार विधानसभा अध्यक्ष भारत सोनी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। लाइव प्रसारण के दौरान युवाओं ने प्रयागराज से राहुल गांधी जी का सीधा संवाद देखा और छात्र एवं युवा हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। भारत सोनी ने कहा कि ‘छात्रों की गूंज’ देश के युवाओं और छात्रों की आवाज को मजबूती देने वाला अभियान है। आज का युवा रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बेहतर भविष्य की मांग कर रहा है। इस अवसर पर, कांग्रेस बामौज जिला अध्यक्ष बृज लाल बहबलपुरिया, कांग्रेस लीगल सेल इंचार्ज लाल बहादुर खोला, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हिसार रोहित देवाल, चंद्रमान काजला, टेक चंद बागड़ी, रमेश वाहर, प्रदेश सचिव भागी राणा, अनमोल, सुमंत पंगाल (एनएसयूआई), ब्लॉक अध्यक्ष हिसार रोहन अरोड़ा, अमित जांगू, साहिल लाडवाल, सुमित अडाना, लोकेश कोहली, अदितिर लखाना, नवीन, विक्रम, युवराज, दीपेश एवं विधानसु सहित अनेक युवा एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला प्रतिभा सम्मान समारोह में विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

ज्योती सावित्रीबाई फुले महिला मंच की ओर से आजाद नगर स्थित गुरु रविदास मंदिर में महिला प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच की अध्यक्ष कमलेश राय ने की। कार्यक्रम में मंडल आयुक्त गीता भारती मुख्य अतिथि रही जबकि बार काउंसिल हरियाणा एवं पंजाब की सदस्य सुनीता कलसन व फॉरसिक विभाग निदेशक पूनम कत्याल विशेष अतिथि रही। कार्यक्रम का शुभारंभ बुद्ध वंदना, त्रिशरण एवं पंचशील से किया गया। समारोह में मेहंदी प्रतियोगिता, महिला पर्सनालिटी प्रतियोगिता एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान हमारा प्रयास मंडबद्ध महिला



हिसार। मुख्य अतिथि को संविधान की प्रस्तावना भेंट करती पदाधिकारी।

अनाथ आश्रम टीम को भी सम्मानित किया गया। महिला समाज की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों को पागड़ी, शॉल एवं संविधान की प्रस्तावना भेंट कर सम्मानित किया गया। महिला मंच की उन पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी सम्मानित किया गया, जो वर्षों से महिला जागरूकता, रोजगार, शिक्षा तथा सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास के

खिलाफ कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में मंच की पदाधिकारी आशा खींची, शकुंतला, नीरज राय, जमुना, मेघा मेहता, अधिवक्ता उषा, सरोज, सुदेश, मंजू सहाड़वा, कामिनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि गीता भारती ने महिलाओं को शिक्षा, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



स्वदेशी मेला प्रांतीय प्रमुख अनिल गोयल बने गोसेवा आयोग के सदस्य हिसार। स्वदेशी मेला प्रांतीय प्रमुख अनिल गोयल के गोसेवा आयोग का सदस्य नियुक्त होने पर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा कि अनिल गोयल स्वदेशी विचार के प्रबल पक्षधर और प्रचारक हैं। उन्होंने स्वदेशी के बढ़ावे के लिए पूरी शिद्दत से कार्य किया है। इसी भांति वे गोसेवा आयोग के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं देंगे। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा गोसेवा आयोग का पुनर्गठन करके पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज को आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया है। पुनर्गठन ने इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयोग के अध्यक्ष रामचंद्र कंबोज के निर्देशन में गोसंरक्षण व गोसंवर्धन के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। उन्होंने का कि धर्मग्रंथों के अनुसार गोमाता में समस्त देवी देवताओं का वास है।



नारनौद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

सरकार पर वादा तोड़ने का आरोप

चौथे दिन भी जारी रही हड़ताल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौद

अपनी मांगों को लेकर नगर पालिका नारनौद के कर्मचारी और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी रविवार को चौथे दिन भी हड़ताल पर डटे रहे। कर्मचारियों ने नगर पालिका परिसर में धरना देकर सरकार के खिलाफ रोष जताया और मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। रविवार को धरने की संयुक्त अध्यक्षता जिला वरिष्ठ उपप्रधान नसीब सिंह और रणधीर सिंह ने की, जबकि मंच संचालन इकाई प्रधान मंसाराम ने किया। राज्य उपप्रधान जसवीर श्योकंद ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों ने पहले भी अपनी मांगों को लेकर 8 अप्रैल से 13 मई तक 37 दिन की हड़ताल की थी। इसके बाद 13 मई को सरकार और कर्मचारी यूनिन के बीच समझौता हुआ था और 17 मांगों पर सहमति बनी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि समझौते के दौरान सरकार ने करीब 13 हजार 500 नगर पालिका सफाई कर्मचारियों और लगभग 1250 अग्निशमन

ये रहे मौजूद

धरने में राजबीर, सुंदर, कुलदीप, दीपक, रेणुबाला, कमलेश, रामकली, सतीश, नरेंद्र जांगड़ा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

कर्मचारियों को नियमित करने का भरोसा दिया था। इसके अलावा फरीदाबाद अग्निकांड में जान बचाने वाले फायर फाइटर रणवीर सिंह और भविचनद शर्मा के परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का आश्वासन भी दिया गया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार अब अपने वादों से पीछे हट रही है, जिसके चलते उन्हें देवारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। ऑल हरियाणा सफाई संघर्ष समिति के उपप्रधान नरेश कुमार ने कहा कि संघ ने पहले 6 से 8 अगस्त तक हड़ताल का निर्णय लिया था, लेकिन सरकार की ओर से बातचीत के लिए न तो कोई पत्र मिला और न ही कोई न्योता आया।

खबर संक्षेप



हिसार। महाराजा अरूट सभा की बैठक में उपस्थित सभा के सदस्य।

विभाजन विभीषिका दिवस

पर सभा लगाएगी भंडारा

हिसार। महाराजा अरूट सभा की बैठक प्रधान मेहरचंद मनचंदा की अध्यक्षता में बुधला संत हनुमान मंदिर में हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर अपने पूर्वजों की याद में जलेबी चौक पर ब्राह्मण धर्मशाला के पास प्रातः 8 बजे से भंडाव चलाया जाएगा। सभा के महासचिव जितेंद्र भारती ने बताया कि भारत वर्ष की आजादी के लिये हमारे बुजुर्गों ने अपने धर्म की खातिर सर्वस्व न्योछावर कर दिया, अपने पितरों को श्रद्धासुभम अर्पित करने के साथ-साथ इस दिन भंडारा भी चलाया जाएगा।

सदर पुलिस ने मारपीट के मामले में वांछित को पकड़ा

हिसार। सदर पुलिस ने मारपीट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पीरावाली निवासी शाहिल ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार गांव में आपसी विवाद के दौरान आरोपियों ने शिकायतकर्ता व उसके परिवर्जन के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचाई गई थीं। मामले में पुलिस द्वारा घायलों की मेडिकल रिपोर्ट, बयान एवं अन्य साक्ष्यों के आधार मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सहायक उप निराक्षर दिनेश द्वारा मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आरोपी संतोक उर्फ संतोष उर्फ शौकी को गिरफ्तार किया गया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सट्टा खाईवाली करते

युवक गिरफ्तार

नारनौद। पुलिस टीम ने सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार करके में सफलता हासिल की है। आरोपित युवक के कब्जे से 30 हजार रूपए की सट्टा राशि व सट्टा पर्चियां बरामद की गई हैं। सीआईए नारनौद में तैनात सिपाही विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर गामड़ा गांव में छापा मारकर मौके से प्रेम चंद को काबू किया। पुलिस टीम द्वारा आरोपित की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 30 हजार रूपए की नकद राशि व सट्टे की पर्चियां बरामद हुईं।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन में उद्घोषित अपराधी काबू

हांसी। फरार एवं उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए हांसी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जमावड़ी निवासी वजीर के रूप में हुई है। सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी वजीर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। आरोपी लगातार अदालत में पेश नहीं हो रहा था। इसके बाद अदालत द्वारा जारी उद्घोषणा का कानूनी प्रक्रिया पूरी किए जाने के पश्चात आरोपी को उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया था।

बरवाला जनसेवाथ ट्रस्ट ने मनाया छ्वां स्थापना दिवस

बरवाला। बरवाला जनसेवाथ ट्रस्ट की ओर से रविवार को अपना छ्वां स्थापना दिवस श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत हवन के साथ हुई, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उपस्थित लोगों ने बद्ध-चढ़कर भाग लिया। स्थापना दिवस के अवसर पर ट्रस्ट द्वारा रेड कॉस सोसायटी, हिसार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। इस दौरान कुल 52 यूनिट रक्त एतक किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने शिरकत की और ट्रस्ट परिसर में संचालित विभिन्न जनसेवा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। इसमें आधुनिक रक्त जांच लैब, डेंटल विभाग, फिजियोथेरेपी विभाग तथा सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। ट्रस्ट के प्रधान ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्यों को जारी रखेगा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

हिसार

7 से 9 अगस्त तक प्रतियोगिता में मेजबान टीम का शानदार प्रदर्शन

सीबीएसई खो-खो में हांसी की बेटियों ने दिखाया दम, अंडर-17 में बर्नी चैंपियन



हांसी। खो-खो प्रतियोगिता की विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते आयोजन समिति।

टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में खरड़िन पब्लिक स्कूल, सिरसा के बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेंट जवाहर सिंह स्कूल, यमुनानगर की टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि

नई कार्यकारिणी करेगी शिक्षा समिति को मजबूत, छात्रों की सुविधाओं पर रहेगा जोर

■ प्रधान जोगीराम खुडिया ने दूसरे पक्ष के आरोपों पर किया पलटवार

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

संत कबीर शिक्षा समिति की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद रविवार को प्रधान जोगीराम खुडिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संस्था की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में संस्था में शिक्षा और विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर जोर रहेगा। उन्होंने बताया कि नई कार्यकारिणी में पृथ्वी सिंह उपप्रधान, डॉ. महिपाल महासचिव, धर्मवीर सिंह संयुक्त सचिव और कैप्टन



हिसार। संत कबीर शिक्षा समिति की कार्यकारिणी।

फोटो: हरिभूमि

तुलाराम कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। बलविंदर, अंजु, गगल राम, जोगिंद्र खटक, दलीप सिंह और धर्मेन्द्र को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया है। जोगीराम खुडिया ने चुनाव से पहले दूसरे पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में उनके पैनल को 40 वोट, जबकि दूसरे पक्ष

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं से बढ़ता है आत्मविश्वास

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि सीबीएसई जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की मेजबानी से विद्यार्थियों को न केवल अपनी खेल प्रतिमा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, बल्कि विभिन्न विद्यालयों और क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करके अपने अनुभव और आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी अवसर मिलता है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, खेल विभाग, प्रशिक्षकों, निष्ठाओं और विद्यालय स्टाफ के प्रयासों की सराहना की गई। विद्यालय परिसर में सभापन अवसर पर खिलाड़ियों और आयोजन से जुड़े सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हांसी की अंडर-17 बालिका टीम का क्वार्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करना विद्यालय के साथ-साथ पूरे हांसी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय रहा।

मैदान पर दिखा जोश और खेल भावना

तीन दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बनता था। प्रत्येक टीम ने जीत के लिए पूरी ताकत झोंकते हुए अनुशासन, आपसी तालमेल और खेल भावना का परिचय दिया।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष ने किया पहला दौरा

उकलाना। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश वर्मा ने उकलाना मंडल के गांव कुंदनपुरा का अपना पहला दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं प्रमुख ग्रामीणों के साथ वैचारिक बैठक में भाग लेकर संगठन को मजबूत करने और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की। बैठक का आयोजन जयकुमार घोड़ेला के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच मोतीलाल, शशीपाल सहायिया, हरदीप घोड़ेला, टेकचंद खारेसिया और ईश्वर दहिया सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। डॉ. राजेश वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की मजबूती उसके संगठनात्मक अनुशासन, सिद्धांतों और वैचारिक निष्ठा में निहित है।



छात्रा विजयश्री आर्य को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

हैबतपुर की विजय श्री आर्या ने लहराया आईआईटी दिल्ली में परचम

नारनौद। खंड नारनौद के गांव हैबतपुर की प्रतिभाशाली छात्रा विजयश्री आर्या ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली से एम टेक की डिग्री प्राप्त कर गांव और विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर उनको पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। छात्रा विजयश्री आर्या ने हाल ही में आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में अपनी एम टेक की डिग्री प्राप्त की। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए युवाओं को निरंतर सीखने, जिज्ञासा बनाए रखने और बदलती तकनीक के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया। छात्रा विजयश्री आर्या ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं शिक्षण संस्थानों को दिया। उनकी प्रारंभिक एवं संपूर्ण विद्यालयीन शिक्षा आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हैबतपुर से हुई है।



धर्म-अध्यात्म के साथ पर्यावरण संरक्षण की राह दिखाती जन्मवाणी की शिक्षाएं : रणबीर गंगवा

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा रविवार को रावतखेड़ा स्थित श्री साथरी मंदिर में आयोजित विराट जन्मवाणी हरि कथा में शामिल हुए और संतों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर रणबीर गंगवा ने कहा कि गुरु जम्नेश्वर भगवान की शिक्षाएं धर्म, अध्यात्म, सदाचार के साथ प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती हैं। जन्मवाणी का संदेश आज भी समाज को सही दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि संतों की शिक्षाओं पर चलकर समाज में भाईचारा, सद्भाव और सकारात्मक सोच को मजबूत किया जा सकता है। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने आयोजन के लिए आयोजकों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और संतजन मौजूद रहे।



मंत्री रणबीर गंगवा ने सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को हिसारवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों को सुना। उन्होंने आमजन की समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि नागरिकों द्वारा रखी गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा जिन मामलों में विभिन्न विभागों के स्तर पर कार्रवाई अपेक्षित है, उन्हें आपसी समन्वय के साथ शीघ्र कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना और उनकी समस्याओं का समग्रबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े विषयों पर पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिक उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में सायरा ने मारी बाजी

आदमपुर। मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट की ओर से रविवार को हाउसिंग बोर्ड स्थित संत नामदेव मंदिर परिसर में मेहंदी रचाओं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में करीब दो दर्जन युवतियों ने हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सायरा ने प्रथम, सलमा ने द्वितीय और दीपिका ने तृतीय स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल की भूमिका शिक्षाविद सुमन बिश्नोई और प्रिया शर्मा ने निभाई। शिक्षाविद सुमन बिश्नोई ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से युवाओं में संस्कृति और त्योहारों के प्रति जागरूकता बढ़ती है और प्रतिभागियों को अपनी कला दिखाने का मंच मिलता है। ट्रस्ट के प्रधान विनोद वर्मा, उपप्रधान हौरपाला शर्मा और संरक्षक डॉ. सतबीर सिंह ने विजेताओं व अतिथियों को नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुलशन इलाहाबादी, कृष्ण शर्मा, पवन बंसल, रोशन भादू, सोनिया कथूरिया, अरिस्तता, कृष्णा, रानी और रिटु रानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में आंदोलन आज

हिसार। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध और किसानों की कर्मसुक्ति, फसलों की एक्सपोर्ट को काबूग्री गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 10 अगस्त को प्रदेशभर में जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। हिसार में किसान-मजदूर लघु सचिवालय के मुख्य गेट पर एकत्रित होकर आंदोलन में भाग लेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा, हिसार के नेताओं ने कहा कि अमेरिका समेत अन्य विकसित देशों के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों से भारतीय कृषि और किसानों के हित प्रभावित होने का खतरा है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए किसानों और मजदूरों से आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। किसान नेताओं ने बताया कि दिल्ली में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रीय कव्चेशन में लिए गए निर्णय के तहत 10 अगस्त को देशभर में जेल भरो आंदोलन का आह्वान किया गया है।

88 बोटल अवैध शराब व बीयर के साथ पकड़ा युवक

हिसार। एक्टीव्स पुलिस ने एक आरोपी को भारी मात्रा में अवैध शराब और बीयर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 88 बोटल शराब व बीयर बरामद करने के साथ ही तस्करों में इस्तेमाल की जा रही कार को भी कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार एक्सआई सुनील कैवी चौक, रायपुर रोड के पास गश्त पर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति कार में अवैध शराब लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पीरावाल निवासी सतनाम उर्फ संतू को उसकी सफेद रंग की रिट्ज कार के पास से काबू कर लिया। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को अलग-अलग बांस की शराब और बीयर की कुल 88 बोटलें बरामद हुईं। पुलिस ने अवैध शराब, बीयर व कार कब्जे में लेकर आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है।

कार्यक्रम ‘ज्ञान पान, योग ध्यान, रक्तदान’ के संदेश के साथ शुरू हुआ अभियान

हरियाणा रक्तदान महाअभियान 2026 का आगाज हिसार में 400 से अधिक लोगों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ►►हिसार

विश्व बंधुत्व दिवस और राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति में हरियाणा राज्य स्तरीय रक्तदान महाअभियान 2026 का शुभारंभ ब्रह्माकुमारीज हिसार के पीस पैलेस में हुआ। कार्यक्रम में 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएसएस एवं आईएसबीटीआई अध्यक्ष डॉ. युद्धबीर सिंह ने रक्तदान को मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक रक्तदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजयोगिनी बीके पूनम बहन, चंडीगढ़ के प्रेरणादायी संबोधन से हुई। बीके ईवी गिरीश



हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि।

फोटो: हरिभूमि

भाई, कार्यकारी सदस्य सामाजिक सेवा प्रभाग ने अभियान के उद्देश्य बताते हुए इस वर्ष का संदेश 'ज्ञान पान, योग ध्यान, रक्तदान' रखा। बीके वीरेंद्र भाई, मुख्यालय समन्वयक सामाजिक सेवा प्रभाग ने रक्तदान को जीवन में दान की भावना विकसित करने का माध्यम बताया। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के अध्यक्ष राजेश



हिसार। शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते अतिथिगण।

फोटो: हरिभूमि

151 यूनिट रक्तदान के साथ गूंजा सेवा का संदेश, 15 नए रक्तदाता बने प्रेरणा

हिसार। सर्व जन कल्याण सेवा समिति की ओर से ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 151 यूनिट रक्तदान किया। इसमें 15 लोगों ने पहली बार रक्तदान कर समाजसेवा के पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। शिविर में रक्तदाता पुनीत घोवर ने 57वीं बार रक्तदान कर नियमित सेवा की प्रतिबद्धता का परिचय दिया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं की सुविधा के लिए शूगर एवं कोलेस्ट्रॉल की निःशुल्क जांच मेक्स लेब की तरफ से की गई। बाद में सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से मग एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

■ पुनीत घोवर ने 57वीं बार किया रक्तदान, प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित